अनुक्रमणिका

क्र.सं.	अध्याय	पृ. सं.
⊙	मित्रता की सीख (चित्रकथा)	5
1.	उठो धरा के वीर सपूतों (कविता)	9
2.	पुस्तकालय (लेख)	17
3.	विमुद्रीकरण (लेख)	23
4.	तीर्थयात्रा (कहानी)	31
5.	जग जीवन में जो चिर महान (कविता)	43
6.	शल्य-चिकित्सा के जनक: सुश्रुत (कहानी)	49
7.	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (साक्षात्कार)	58
8.	भीष्म (कहानी)	67
9.	कृतयुगी विनोबा (जीवनी)	74
10.	भिक्षुक (कविता)	81
11.	मास्टर जी (एकांकी)	88
12.	हिरोशिमा की आग (सत्यकथा-कहानी)	95
13.	बाघा जतिन (जीवनी)	105
14.	भारत की सांस्कृतिक एकता (निबंध)	114
15.	हिंद महासागर का मोती 'मॉरीशस' (यात्रा-वृतांत)	123
✶	स्वमूल्यांकन पत्र-1	133
✶	स्वमूल्यांकन पत्र-2	135

EDTONE INTERNATIONAL

अध्याय

मित्रता की सीख
(चित्रकथा)

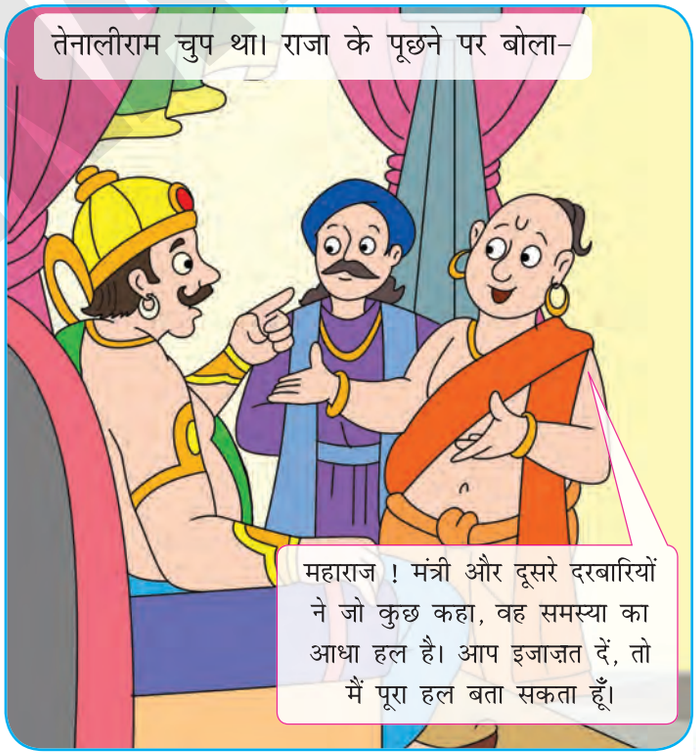

राजा ने चौंककर कहा–
अच्छा बताओ, तुम्हारी क्या राय है?
महाराज ! मेरा तो यह विचार है कि दीवार बनाने की नहीं बल्कि हटाने की ज़रूरत है। लोग इधर से उधर आएँगे-जाएँगे, तो शत्रुता हमेशा के लिए ख़त्म हो जाएगी।

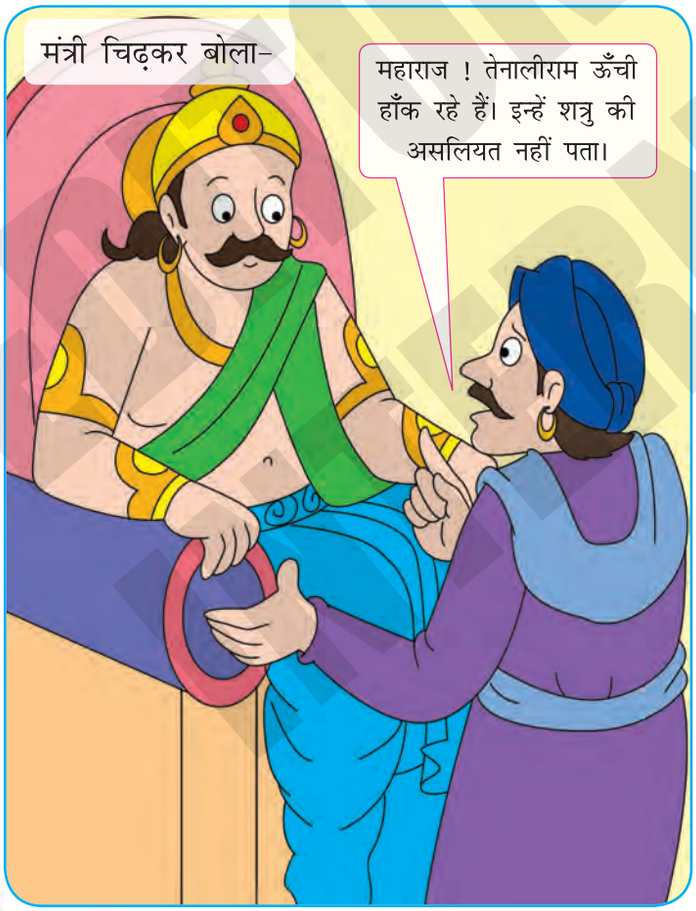
मंत्री चिढ़कर बोला–
महाराज ! तेनालीराम ऊँची हाँक रहे हैं। इन्हें शत्रु की असलियत नहीं पता।

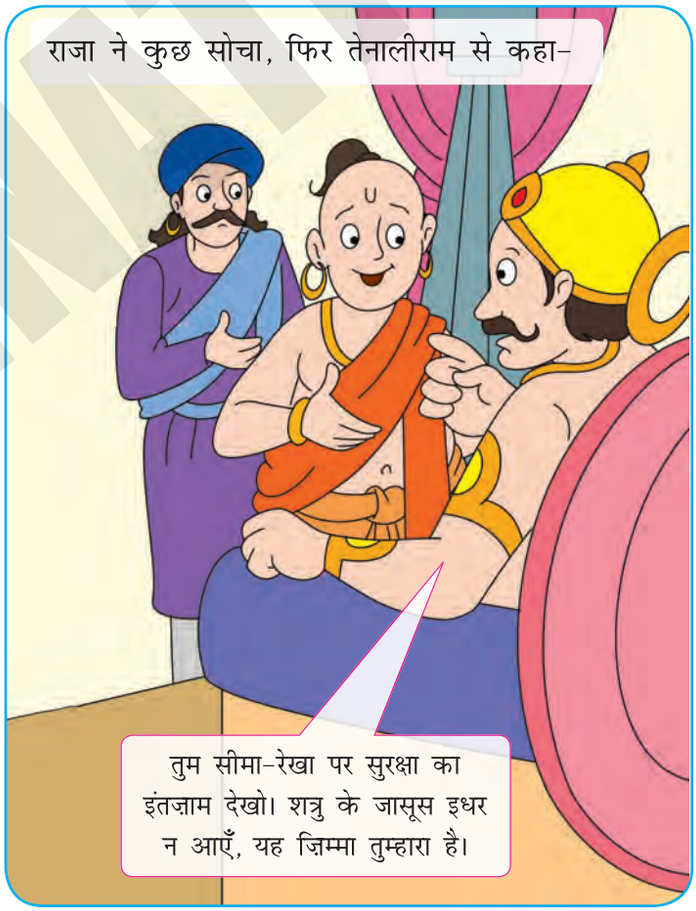
राजा ने कुछ सोचा, फिर तेनालीराम से कहा–
तुम सीमा-रेखा पर सुरक्षा का इंतज़ाम देखो। शत्रु के जासूस इधर न आएँ, यह ज़िम्मा तुम्हारा है।

तेनालीराम ने उसी दिन सीमा-रेखा पर चौकियाँ बनवाईं। सख़्त पहरेदारी बैठा दी गई। साथ ही काँटें-झाड़ियाँ हटवाकर एक समतल मैदान में सुंदर मैत्री-उद्यान बनवाया।

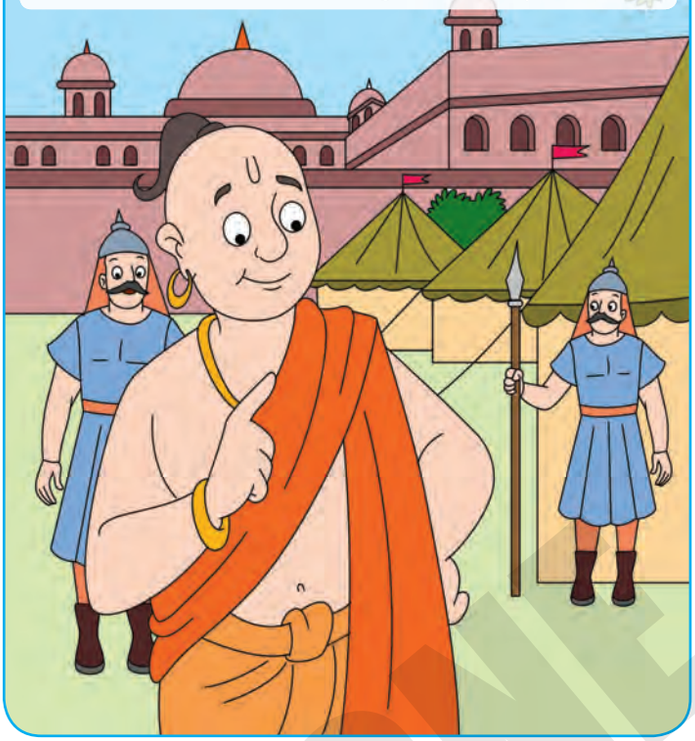

फिर पड़ोसी राजा को संदेश भिजवाया गया–

अगले पंद्रह दिनों में अनगिनत कवि, लेखक, कलाकार आए। बड़ा अनोखा मेला जुड़ा, जिसमें मिलकर गायकों ने दोनों देशों के लोकगीत गाए, नृत्य और अन्य कार्यक्रम हुए और सभी ने दोस्ती की कसमें खाईं।

उसमें राजा कृष्णदेव राय भी मौजूद थे। वे भी तल्लीनता से यह अनोखा मेला देख रहे थे। कार्यक्रम ख़त्म हुआ, तो बोले-

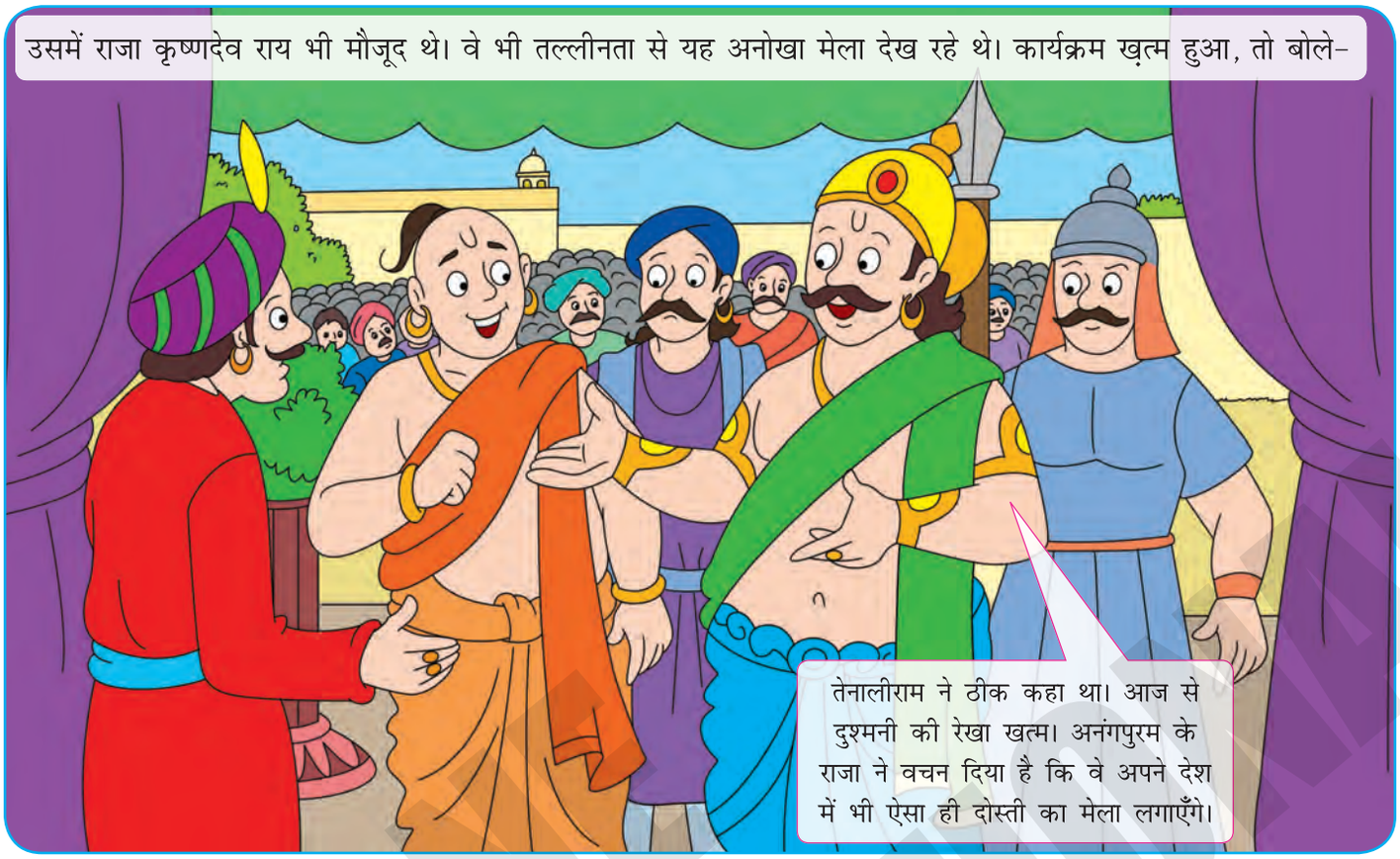

तेनालीराम ने सुना, तो उसके मुख पर मुस्कान छा गई।

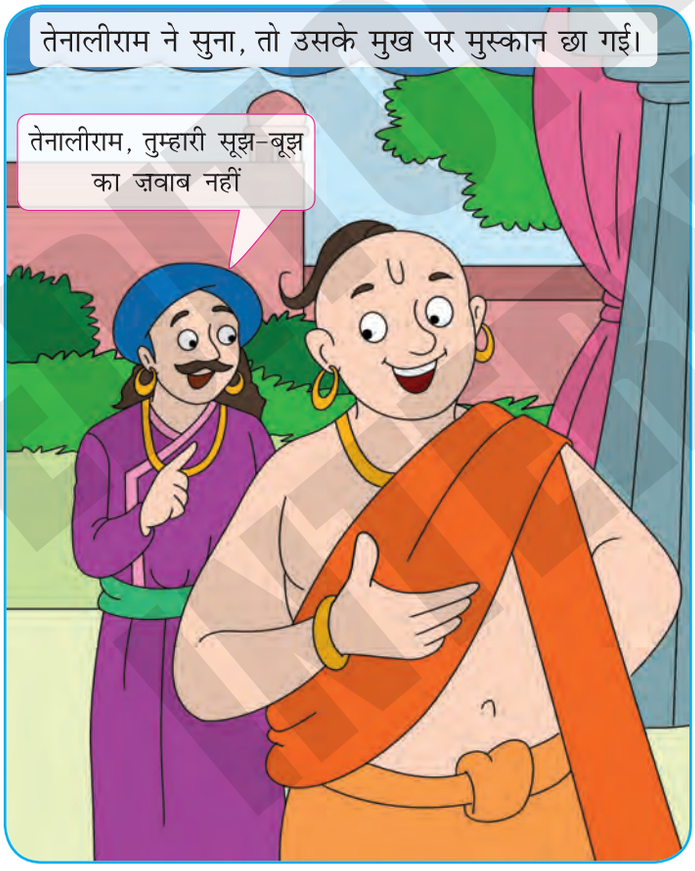

अब तो हर कोई तेनालीराम की प्रशंसा कर रहा था। मंत्री और दरबारियों के चेहरे देखने लायक थे।

शिक्षा: मैत्रीपूर्ण व्यवहार से शत्रु भी मित्र बन जाते हैं।

अध्याय 1

उठो धरा के वीर सपूतों
(कविता)

अध्ययन से पूर्व

- प्रकृति द्वारा हमें किस प्रकार नव चेतना का संदेश प्रतिदिन दिया जाता है? कक्षा में बच्चों से इस विषय पर टिप्पणी अध्ययन पूर्व करवाएँ।

कविता का मूल तत्व

स्वयं में नई चेतना व जागृति भर कर नवयुग में नवराष्ट्र का निर्माण करना।

उठो, धरा के अमर सपूतों!
पुनः नया निर्माण करो।
जन-जन के जीवन में फिर से,
नव-स्फूर्ति, नव प्राण भरो।

नया प्रातः है, नई बात है,
नई किरण है, ज्योति नई।
नई उमंगें, नई तरंगें,
नई आस है, साँस नई।

युग-युग के मुरझे सुमनों में
नई-नई मुस्कान भरो।
उठो, धरा के अमर सपूतों,
पुनः नया निर्माण करो।

डाल-डाल पर बैठ विहग कुछ,
नए स्वरों में गाते हैं।
गुन-गुन, गुन-गुन करते भौंरे,
मस्त उधर मँडराते हैं।

नवयुग की नूतन वीणा में,
नया राग, नव गान भरो।
उठो, धरा के अमर सपूतों,
पुनः नया निर्माण करो।

कली-कली खिल रही इधर,
वह फूल-फूल मुस्काया है।
धरती माँ की आज हो रही,
नई सुनहरी काया है।

नूतन मंगलमय ध्वनियों से,
गुंजित जग-उद्यान करो।
उठो, धरा के अमर सपूतों,
पुनः नया निर्माण करो।

सरस्वती का पावन मंदिर,
शुभ संपत्ति तुम्हारी है।
तुममें से हर बालक इसका
रक्षक और पुजारी है,

शत्-शत् दीपक जला ज्ञान के
नवयुग का आह्वान करो।
उठो, धरा के अमर सपूतों,
पुनः नया निर्माण करो।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

शब्दार्थ

आह्वान	=	आमंत्रित करना	नूतन	=	नया
निर्माण	=	रचना	स्फूर्ति	=	उमंग
अमर	=	जो कभी न मरे	नवयुग	=	नया युग

उच्चारण करें

मंगलमय ध्वनियों उमंग विहग गुंजित
संपत्ति पुनः

शिक्षण संकेत-

शिक्षक/शिक्षिका कविता के माध्यम से चेतना एवं जागृति के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बताइए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) प्रस्तुत कविता में पक्षी क्या कर रहे हैं?

(ख) कवि ने किसे संबोधित किया है?

(ग) नवयुग की नूतन वीणा में कवि क्या भरने को कह रहे हैं?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) धरती माता की काया कैसी हो रही है?

.....

(ख) कवि संसार-रूपी बगीचे को किस प्रकार गुंजित करने को कह रहे हैं?

.....

(ग) कवि धरती के वीर सपूतों को उठने के लिए क्यों कह रहे हैं?

.....

(घ) कविता का केंद्रीय भाव क्या है?

.....

3. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) कवि ने नई-नई मुस्कान भरने के लिए कहा है-

☐ मुरझाए फूलों से ☐ भौरों से ☐ पक्षी से ☐ सभी से

(ख) प्रस्तुत कविता के रचयिता कौन हैं?

☐ भगवती प्रसाद वाजपेयी ☐ रामधारी सिंह दिनकर

☐ निराला ☐ द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

(ग) कवि ने नया राग और नवगान किसमें भरने को कहा है?

☐ नूतन वीणा में ☐ गहरे सागर में

☐ छोटी टोकरी में ☐ बाँसुरी में

EDTONE INTERNATIONAL

4. सही मिलान कीजिए।

(क) अमर	(i) मुस्कान
(ख) सुमन	(ii) स्वर
(ग) विहग	(iii) राग
(घ) वीणा	(iv) सपूतों

5. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

स्फूर्ति नवयुग धरती स्वर

(क) डाल पर बैठे पक्षी नए ..... में गाते हैं।

(ख) जन जीवन में नई ..... और प्राण भरो।

(ग) ..... माँ की काया सुनहरी हो रही है।

(घ) ज्ञानदीप जलाकर ..... का आह्वान करो।

6. कविता की अधूरी पंक्तियों को पूरा कीजिए।

(क) युग-युग के .....

.....

.....

..... निर्माण करो।

(ख) सरस्वती .....

.....

.....

..... पुजारी है।

7. दिए गए शब्दों से वाक्य प्रयोग कीजिए।

(क) संपत्ति – .....

(ख) आह्वान – .....

(ग) भौंरे – .....

(घ) ज्योति – .....

(ङ) स्फूर्ति – .....

(च) नूतन – .....

(छ) उमंग – .....

(ज) प्रकाश – .....

EDTONE INTERNATIONAL

Critical Thinking

8. संपूर्ण भारत में ज्ञान की देवी 'माँ सरस्वती' के जन्म दिवस को बसंत पंचमी के उत्सव रूप में मनाया जाता है। प्रत्येक जन माँ सरस्वती की आराधना कर क्या आशीर्वाद माँगना चाहेंगे? अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।

9. क्या धर्म एवं जाति के आधार पर देश में नव निर्माण संभव है? कक्षा में चर्चा कर अपनी सहमति/असहमति को कारण सहित प्रस्तुत कीजिए।

EDTONE INTERNATIONAL

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

10. दिए गए शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

(क) नूतन – ..... (ख) भगत – .....

(ग) आस – ..... (घ) उमंग – .....

(ङ) सपूत – .....

11. अशुद्ध शब्दों को शुद्ध कर पुनः लिखिए।

(क) ग्यान – ..... (ख) उधयान – .....

(ग) सर्फुती – ..... (घ) नृिमान – .....

12. दिए गए शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए।

(क) निस्संकोच – .....

(ख) दु:शासन – .....

(ग) निष्फल – .....

(घ) पुनर्जन्म – .....

13. दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द बनाइए।

(क) जो नया हो – .....

(ख) जो देखने योग्य हो – .....

(ग) शक्ति के अनुसार – .....

(घ) जो देखा न जा सके – .....

14. दिए गए शब्दों में लगे कारक चिह्नों के आधार पर वचन बदलें-

(क) फूल को – .....

(ख) देव से – .....

(ग) उमंग पर – .....

(घ) धरा के – .....

EDTONE INTERNATIONAL

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

15. प्रस्तुत कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

16. प्रस्तुत कविता के कवि द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी जी के विषय में जानकारी एकत्रित कर दस पंक्तियाँ लिखिए।

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills & Value Based Question

17. हमें जीवन में नई चेतना, उमंग और विश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आप अपने जीवन का नव निर्माण किन मूल्यों पर करना चाहेंगे?

EDITONE INTERNATIONAL

अध्याय 2

पुस्तकालय
(लेख)

अध्ययन से पूर्व

- शिक्षक/शिक्षिका उपरोक्त चित्र के आधार पर बच्चों से यह टिप्पणी करवाएँ कि एक अच्छा पुस्तकालय कैसा होना चाहिए?

लेख का मूल तत्व

पुस्तकों के माध्यम से हमें ज्ञान में वृद्धि करते रहना चाहिए।

पुस्तकालय को पुस्तकों का घर कहते हैं। प्रायः प्रत्येक विद्यालय या छात्रावास में एक पुस्तकालय होता है। यह वह स्थान होता है, जहाँ पर विषय के अनुरूप पुस्तकों का चयन और संग्रह किया जाता है। पुस्तकालय की पुस्तकों को करीने से रैक में सुरक्षित रखा जाता है। उन सारी पुस्तकों की विषय के अनुसार ही सूचियाँ बनाई जाती हैं और उन्हें किसी रजिस्टर में दर्ज किया जाता है। उस रजिस्टर से ही पता चलता है कि कौन-सी पुस्तक किस रैक में किस नंबर पर रखी है।

पुस्तकों के लेन-देन और पुस्तकालय की देखभाल के लिए एक या दो व्यक्ति नियुक्त किए जाते हैं, जिन्हें पुस्तकालयाध्यक्ष या लाइब्रेरियन कहा जाता है। उनकी सहायता के लिए एक-दो कर्मचारी भी नियुक्त किए जाते हैं, जो पुस्तकें निकालकर देने में सहायता करते हैं और पुस्तक को वापस सही स्थान पर रखते हैं। पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र होती हैं। पुस्तकों से हमारा ज्ञानवर्द्धन होता है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों; यथा- कला, विज्ञान, सामाजिक, धार्मिक, राजनीति, आर्थिक, इतिहास, भूगोल, ज्योतिष, आयुर्वेद और कथा कहानियों आदि की पुस्तकें संग्रहित की जाती हैं।

पुस्तकालयों को तीन प्रकार से बताया गया है, प्रथम प्रकार के निजी पुस्तकालय होते हैं। जिसमें कोई भी व्यक्ति जिसकी रुचि होती है उसी अनुसार पुस्तकों का संग्रह करता है। द्वितीय प्रकार के पुस्तकालय सार्वजनिक होते हैं जिसमें समाज के संपूर्ण वर्ग के लिए पुस्तकों का संग्रहण किया जाता है। तृतीय प्रकार का पुस्तकालय संस्थागत या वर्ग विशेष के लिए होता है।

'निजी पुस्तकालय' व्यक्ति की निजी संपत्ति होती है, जबकि 'सार्वजनिक पुस्तकालय' पर जनता या सरकार का स्वामित्व होता है। निजी पुस्तकालय के स्वामी का यह अधिकार होता है कि वह अपनी पुस्तकें किसी को दे या न दे। जबकि सार्वजनिक पुस्तकालय में से कोई भी व्यक्ति पुस्तकालय के नियमों के अनुसार पुस्तकालय का सदस्य बनकर, पुस्तकें प्राप्त कर सकता है और उसका उपयोग करके उसे वापस कर सकता है।

स्कूलों में स्थापित पुस्तकालय यद्यपि स्कूल की निजी संपत्ति होते हैं, किंतु सभी छात्र-छात्राएँ और आस-पास रहने वाले व्यक्ति भी, उस पुस्तकालय की पुस्तकों का उपयोग कर सकते हैं। ऐसे पुस्तकालयों को 'संस्थागत पुस्तकालय' भी कहा जा सकता है। ये उनकी निजी संपत्ति होते हैं। विभिन्न संस्थाएँ भी पुस्तकालय स्थापित करती हैं।

द्वितीय श्रेणी के पुस्तकालय जो सार्वजनिक होते हैं, वहाँ सामान्यतः आम जन-जीवन से जुड़ी पत्र-पत्रिकाओं को भी मँगाया जाता है। जिनका अध्ययन पुस्तकालय में बैठकर शांति के साथ किया जाता है। इस प्रकार

के पुस्तकालय में बिना रोक-टोक या भेद-भाव के कोई भी आ-जा सकता है। हालाँकि उन लोगों को वहाँ की मर्यादा का ख़्याल रखना पड़ता है।

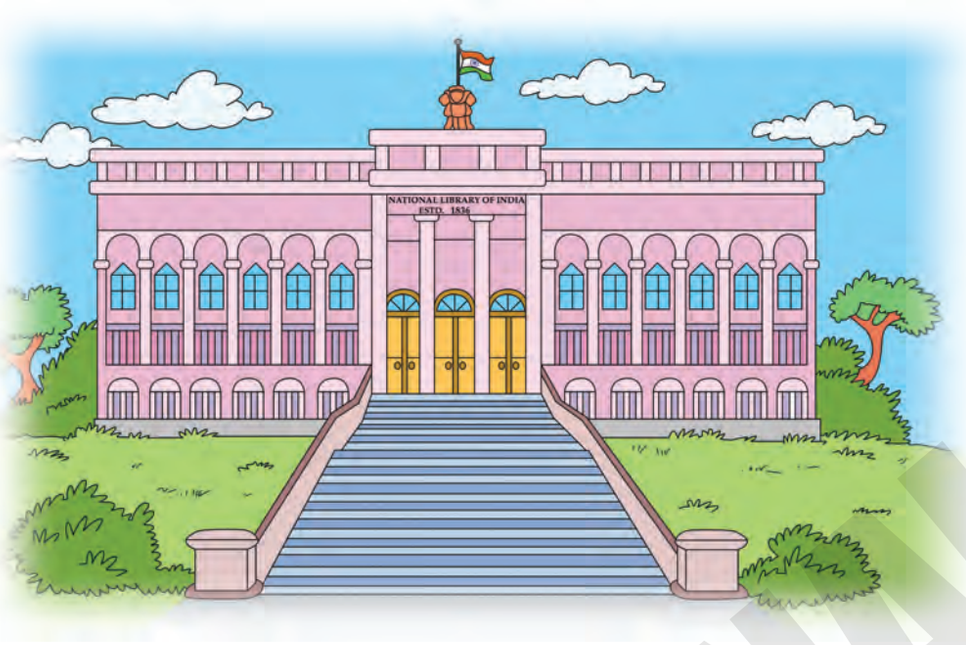

पुस्तकालयों से सबसे बड़ा लाभ यह है कि वे व्यक्ति या वे छात्र, जो महँगी पुस्तकें नहीं खरीद सकते या संग्रह करने में असमर्थ हैं, पुस्तकालयों से पुस्तकें लेकर अपनी पढ़ाई कर सकते हैं।

केवल इस बात का ध्यान रखना ज़रूरी होता है कि पुस्तकों को किसी प्रकार की क्षति न पहुँचाई जाए। उस पर कुछ लिखें नहीं, उसके किसी पृष्ठ या तस्वीर को फाड़े नहीं और उसे छुपाकर चोरी से घर न ले जाएँ। पुस्तकें सार्वजनिक संपत्ति होती हैं। उनकी सुरक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है। इन पुस्तकालयों के माध्यम से हम अपने देश की ही नहीं, अपितु देश-विदेश की संस्कृति को सुरक्षित रखते हैं। ये पुस्तकालय ज्ञान का संचित कोष अपने भीतर समेटे रहते हैं। ये राष्ट्र की धरोहर होते हैं। और राष्ट्र की इस धरोहर का उपयोग करने तथा इसे सुरक्षित रखने का सभी को अधिकार है।

शब्दार्थ

छात्रावास	=	ऐसी इमारत जिसमें विद्यार्थी रहते हैं।	कर्मचारी	=	वेतन पर काम करने वाला
संपत्ति	=	धन-दौलत	संग्रहण	=	एकत्रित, इकट्ठा
मर्यादा	=	सीमा	सार्वजनिक	=	सबके लिए उपयुक्त
धरोहर	=	अमानत	कर्तव्य	=	करने योग्य कार्य

उच्चारण करें

संग्रह ज्ञानवर्द्धक आयुर्वेद संग्रहित सार्वजनिक
राष्ट्र अध्ययन संस्थागत

शिक्षण संकेत-

पुस्तकालय सामाजिक तथा मानसिक क्रियाओं की अभिवृद्धि का स्थान होता है, पुस्तकालय जाने के लिए छात्रों को प्रेरित करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बताइए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) पुस्तकालय को कितने प्रकार में वर्गीकृत किया गया है?

(ख) मानव का पुस्तकों से क्या संबंध है?

(ग) सार्वजनिक पुस्तकालय किसकी संपत्ति है?

(घ) पुस्तकों के संग्रहण के स्थान को क्या कहते हैं?

(ङ) पुस्तकालय की देख-रेख कौन करता है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) पुस्तकों का संग्रहण पुस्तकालय में किस प्रकार से होता है?

.....

(ख) पुस्तकालयों के द्वारा हमें किस प्रकार के लाभ होते हैं? लिखिए।

.....

(ग) तृतीय श्रेणी तथा द्वितीय श्रेणी के पुस्तकालयों में कोई दो अंतर लिखिए।

.....

(घ) निजी पुस्तकालय से आपका क्या तात्पर्य है? लिखिए।

.....

3. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) पुस्तकालय का शाब्दिक अर्थ क्या होता है?

- ☐ पुस्तकों का घर
- ☐ पुस्तक रखने का स्थान
- ☐ पुस्तक बिक्री का स्थान
- ☐ इनमें से कोई नहीं

(ख) सार्वजनिक पुस्तकालय पर किसका स्वामित्व होता है?

- ☐ व्यक्ति विशेष का
- ☐ सरकार और जनता का
- ☐ पुस्तकालय अध्यापक का
- ☐ इनमें से कोई नहीं

(ग) पुस्तकों का संग्रहण कहाँ होता है?

- ☐ घर में
- ☐ पुस्तकालय में
- ☐ अलमारी में
- ☐ देवालय में

EDTONE INTERNATIONAL

(घ) पुस्तकालय में किसको संरक्षित करके रखा जाता है?

☐ धन को ☐ ज्ञान को ☐ पैसे को ☐ पूँजी को

4. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) प्रायः प्रत्येक विद्यालय या छात्रावास में एक ..... होता है।

(ख) पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी ..... होती हैं।

(ग) पुस्तकालय ..... प्रकार के होते हैं।

(घ) सार्वजनिक पुस्तकालयों में बिना ..... के कोई भी व्यक्ति जा सकता है।

(ङ) पुस्तकें सार्वजनिक ..... होती हैं।

5. अध्याय में प्रयुक्त शब्दों के प्रयोग से वाक्य निर्मित कीजिए।

(क) ज्ञान-वर्द्धक – .....

(ख) शांति – .....

(ग) संपत्ति – .....

(घ) पुस्तकालय – .....

(ङ) ज्ञान – .....

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

6. संस्थागत पुस्तकालय निजी भी होते हैं और सार्वजनिक भी ऐसा क्यों? सोच-समझकर बताइए। पुस्तकें व्यक्ति की सच्ची मित्र होती हैं? कैसे?

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

7. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

(क) संग्रह – ..... (ख) मित्र – .....

(ग) रुचि – ..... (घ) सार्वजनिक – .....

(ङ) नियुक्त – ..... (च) महँगी – .....

(छ) संचित – ..... (ज) समर्थ – .....

8. दिए गए वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए।

(क) तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा – .....

(ख) वह कितना सुंदर दृश्य है – .....

EDTONE INTERNATIONAL

(ग) स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है – .....

(घ) मानव शरीर में रक्त कणों का क्या काम है – .....

(ङ) बीजक कबीरदास द्वारा रचित ग्रंथ है – .....

9. दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) कर्मचारी – ....

(ख) नितांत – ....

(ग) संस्था – ....

(घ) संस्कृति – ....

(ङ) कोप – ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

10. पुस्तकालय राष्ट्र की धरोहर होते हैं? इस विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

11. आपके स्कूल के पुस्तकालय में किन कवियों की रचनाओं का संग्रह है? सूची बनाकर कक्षा में चर्चा कीजिए।

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

12. दिए गए पुस्तकालयों को पहचान करके बताइए कि ये सभी कहाँ स्थित हैं?

स्टेट लाइब्रेरी ऑफ विक्टोरिया – .....

लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस – .....

रॉयल डैनिश लाइब्रेरी – .....

रशियन स्टेट लाइब्रेरी – .....

ट्रिनिटी कॉलेज लाइब्रेरी – .....

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills & Value Based Question

13. पुस्तकें मानव के आध्यात्मिक जीवन का आधार होती हैं? क्या आप इससे सहमत हैं? अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।

EDITONE INTERNATIONAL